



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 26 जनवरी, 2026

जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: (i) एक तीव्र पश्चिमी विक्षोभ के कारण 26-28 जनवरी के दौरान पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में कई जगहों पर हल्की/मध्यम बारिश/बर्फबारी और 27 जनवरी, 2026 को कुछ जगहों पर भारी बारिश/बर्फबारी और ओलावृष्टि होने की संभावना है।

(ii) 27 जनवरी, 2026 को उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में कुछ जगहों पर हल्की/मध्यम बारिश के साथ-साथ कुछ जगहों पर गरज-चमक/बिजली गिरने/ओलावृष्टि और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है।

(iii) एक और नया पश्चिमी विक्षोभ 30 जनवरी, 2026 की रात से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है।

पिछले 24 घंटों में हुई मौसम गतिविधि (आज 26 जनवरी, 2026 को सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा (दृश्यता <50 m) छाया रहा; हिमाचल प्रदेश, पंजाब, पूर्वी मध्य प्रदेश और मेघालय के कुछ इलाकों में घना कोहरा (दृश्यता 50-199 m) छाया रहा।
- ❖ दृश्यता रिपोर्ट (मीटर में ≤ 200 m): पश्चिमी उत्तर प्रदेश: सरसावा IAF 0m, नजीबाबाद 50m; पूर्वी उत्तर प्रदेश: प्रयागराज IAF 0m; उत्तराखंड: रुड़की, रोशनबाद, लक्सर 20m प्रत्येक, पंतनगर, काशीपुर 50 m प्रत्येक; हिमाचल प्रदेश: बिलासपुर 50m; पंजाब: आदमपुर 100m; मेघालय: बारापानी 100m; पूर्वी मध्य प्रदेश: रीवा, खजुराहो (50-199 m)।
- ❖ पूर्वी राजस्थान के कुछ इलाकों में शीत लहर से लेकर गंभीर शीत लहर की स्थिति बनी रही और हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और हरियाणा के कुछ इलाकों में शीत लहर की स्थिति बनी रही।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में शीत दिवस की स्थिति बनी रही।
- ❖ तमिलनाडु के कुछ स्थानों पर भारी बारिश दर्ज की गई है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (आज सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ और पूर्वी राजस्थान में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान $1-4^{\circ}\text{C}$ था; पंजाब, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर $4-9^{\circ}\text{C}$ था; राजस्थान के बाकी हिस्सों, उत्तरी मध्य प्रदेश और मेघालय में कुछ जगहों पर भी ऐसा ही था। देश के बाकी हिस्सों में यह 10°C और उससे ज्यादा था, सिवाय पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के ऊंचे इलाकों के जहां यह 0°C से कम था।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, गुजरात क्षेत्र, महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु में न्यूनतम तापमान सामान्य से (2°C से 5°C) ज्यादा था और हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ में सामान्य से (-2°C से -4°C) कम था और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब था। (अनुलग्नक IV देखें)
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, गुजरात राज्य, महाराष्ट्र, तेलंगाना, रायलसीमा, कर्नाटक में न्यूनतम तापमान में $1-3^{\circ}\text{C}$ की बढ़ोतरी देखी गई; हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और असम में $1-3^{\circ}\text{C}$ की गिरावट देखी गई।

- ❖ भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 0.5°C सीकर (राजस्थान) में दर्ज किया गया।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान एवं चेतावनी (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ मध्य और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक पछुआ हवाओं में एक ट्रफ के रूप में पश्चिमी विक्षोभ लगभग देशांतर 50°E के साथ अक्षांश 20°N के उत्तर में चल रहा है।
- ❖ पछुआ हवाओं में एक ट्रफ, जिसका अक्ष समुद्र तल से 3.1 किमी ऊपर है, लगभग देशांतर 93°E के साथ अक्षांश 24°N के उत्तर में चल रहा है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में हरियाणा और आसपास के इलाकों में एक प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में हरियाणा और आसपास के इलाकों में प्रेरित चक्रवाती परिसंचरण से लेकर दक्षिण-पश्चिम राजस्थान तक एक ट्रफ चल रहा है।
- ❖ समुद्र तल से 12.6 किमी ऊपर 125 समुद्री मील की मुख्य हवाओं वाली उपोष्णकटिबंधीय पछुआ जेट स्ट्रीम उत्तरी भारत पर बनी हुई है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक स्तरों में केरल तट से दूर दक्षिण-पूर्वी अरब सागर पर एक उत्तर-दक्षिण कमजोर ट्रफ चल रहा है।
- ❖ एक और नया पश्चिमी विक्षोभ 30 जनवरी 2026 की रात से उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है।

ऊपर बताए गए प्रणालियाँ, के असर से, ऐसा मौसम रहने की संभावना है:

- ❖ 26 और 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और 27 और 28 जनवरी को उत्तराखंड में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे तक) के साथ काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश/बर्फबारी का एक नया दौर शुरू होने की संभावना है। 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश/बर्फबारी की भी संभावना है और 27 जनवरी को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे तक) के साथ छिटपुट से लेकर काफी व्यापक हल्की से मध्यम बारिश; 27 जनवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 50 किमी प्रति घंटे तक); 27 और 28 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 27 और 28 जनवरी को मध्य प्रदेश में गरज-चमक के साथ अलग-अलग जगहों पर हल्की बारिश; 28 जनवरी को छत्तीसगढ़ में।
- ❖ 26 और 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर में; 27 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है।
- ❖ 28 जनवरी को बिहार में गरज-चमक और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार) और 27 जनवरी को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; 26 जनवरी को केरल और माहे में गरज-चमक के साथ साथ अलग-अलग जगहों पर हल्की/मध्यम बारिश की बहुत अधिक संभावना है।

न्यूनतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में $3-5^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है; उसके बाद के 2 दिनों में $3-5^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे गिरावट और उसके बाद के 3 दिनों में $3-5^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और उसके बाद के 2-3 दिनों में $2-3^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे गिरावट और उसके बाद के 3 दिनों में $2-4^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान महाराष्ट्र में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; उसके बाद के 24 घंटों में $2-4^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे गिरावट; उसके बाद के 3 दिनों में $2-3^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे बढ़ोतरी और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ अगले 24 घंटों के दौरान गुजरात में न्यूनतम तापमान में $2-3^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने की संभावना है; उसके बाद के 24 घंटों में $3-5^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे गिरावट; उसके बाद के 3 दिनों में $2-3^{\circ}\text{C}$ की धीरे-धीरे बढ़ोतरी होगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

घने कोहरे, शीतलहर और शीत दिवस की चेतावनी:

- ❖ 27 जनवरी तक उत्तराखंड; हिमाचल प्रदेश में 28-31 जनवरी के दौरान; उत्तर प्रदेश में 27, 29, 30 जनवरी तक; राजस्थान में 28-30 जनवरी के दौरान और बिहार में 29-31 जनवरी के दौरान कुछ इलाकों में सुबह/रात के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में 29-31 जनवरी के दौरान; पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में 28-31 जनवरी के दौरान कुछ इलाकों में शीतलहर चलने की संभावना है।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में 27 जनवरी को कुछ इलाकों में शीत दिवस की स्थिति रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 26 जनवरी से 31 जनवरी, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

बंगाल की खाड़ी: दक्षिण तमिलनाडु और श्रीलंका तट के पास, मन्नार की खाड़ी के ऊपर, कोमोरिन इलाके में 27 से 29 जनवरी के दौरान, कोमोरिन इलाके में 29 से 31 जनवरी 2026 के दौरान न जाएं।

अरब सागर: उत्तर-पूर्वी अरब सागर में, उत्तर गुजरात तट के पास 26 से 28 जनवरी को न जाएं।

बारिश दर्ज की गई (सेमी में) (कल सुबह 0830 बजे से आज सुबह 0830 बजे तक):

तमिलनाडु: महाबलीपुरम (जिला चेंगलपट्ट) 7.

दिल्ली/एनसीआर में 26-29 जनवरी 2026 तक मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

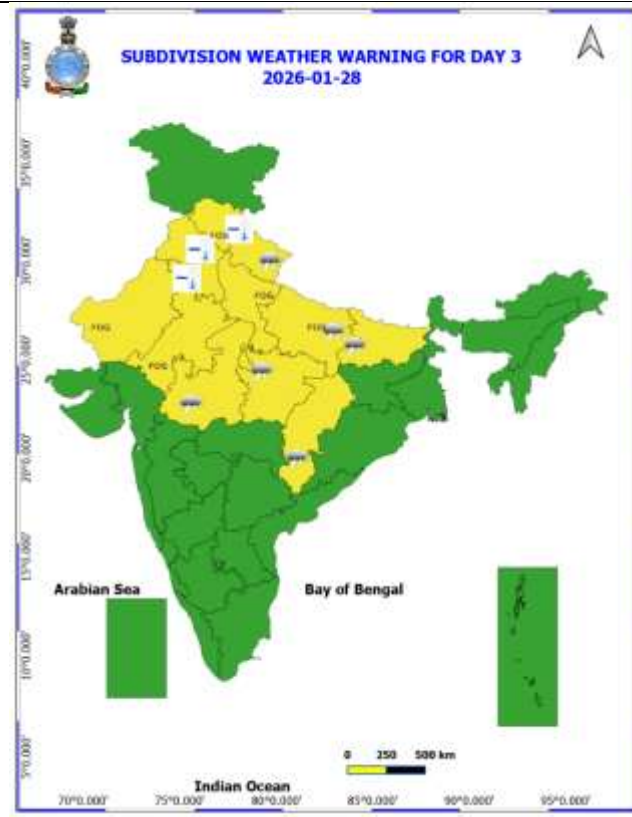
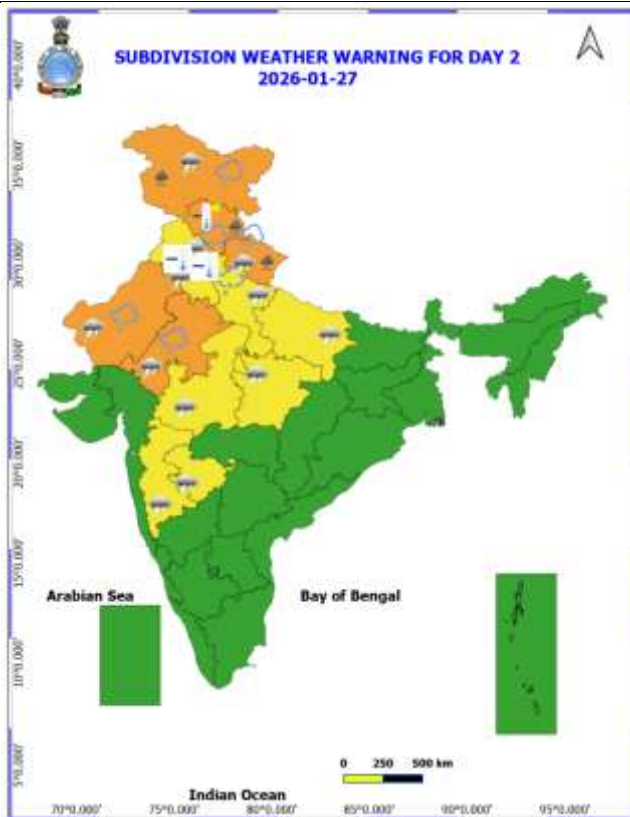
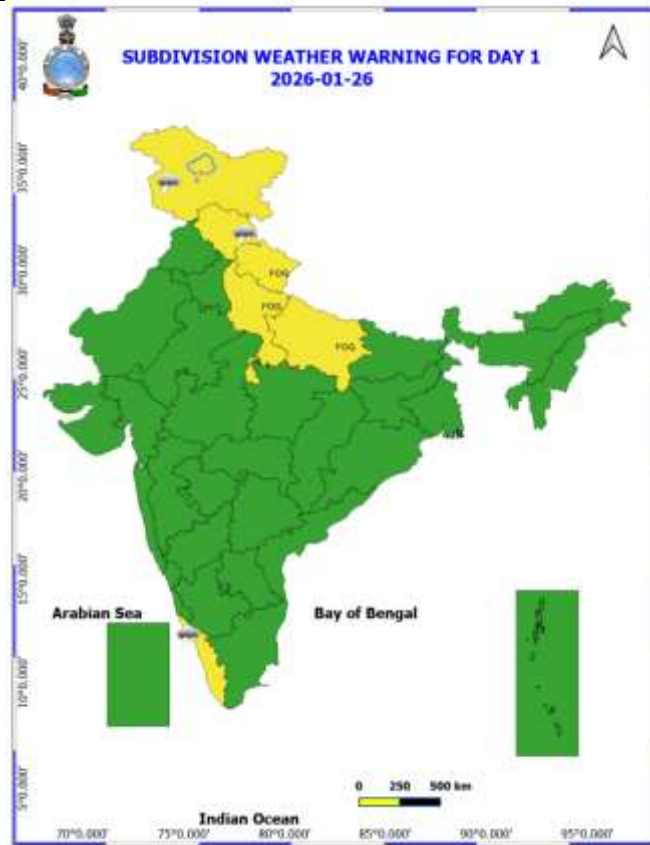
https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

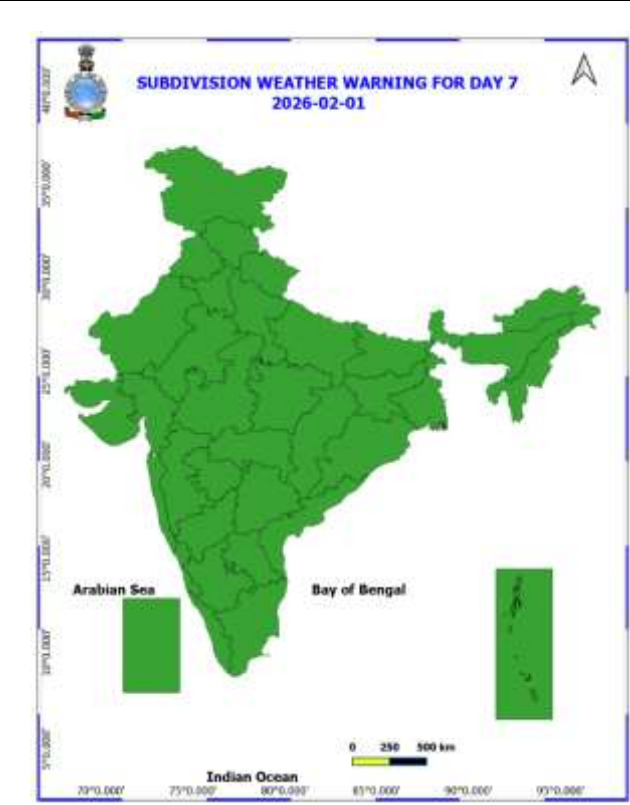
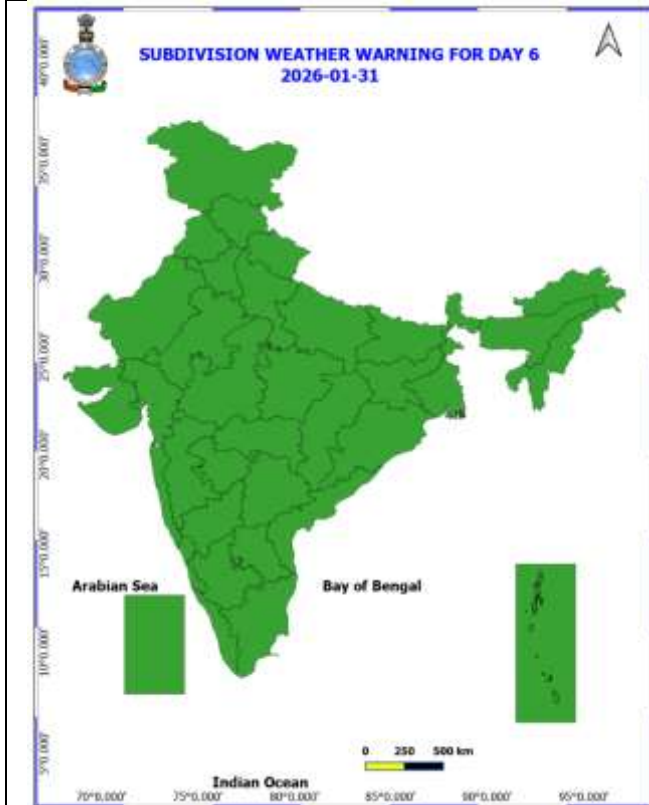
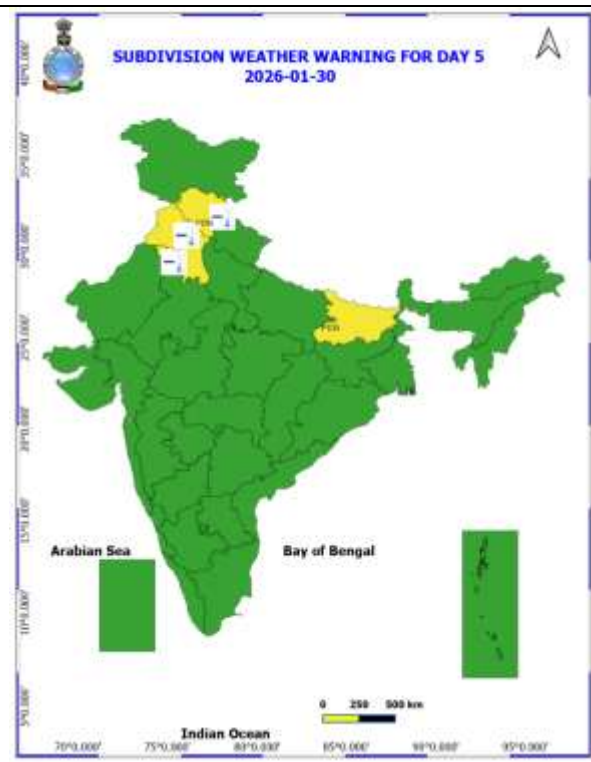
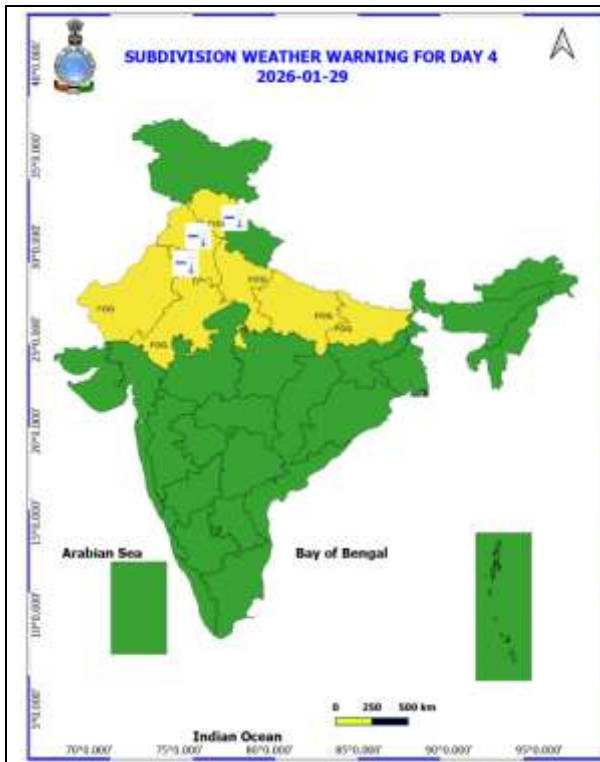
जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	26- Jan	27- Jan	28- Jan	29- Jan	30- Jan	31- Jan	1- Feb
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
6	GANGETIC WEST BENGAL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
9	BIHAR	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	FWS	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	WE	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	FWS	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	FWS	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	WE	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WE	WE	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	SCT	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
29	TELANGANA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
32	COSTAL KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
35	KERALA AND MAHE	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

26 से 29 जनवरी 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में $1-2^{\circ}\text{C}$ की गिरावट आई है और अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 16°C से 19°C और 04°C से 05°C के आसपास रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (5.1°C से अधिक) और दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) और कई जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान मुख्य रूप से आसमान साफ रहा और सतह पर हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। आज सुबह क्षेत्र में मुख्य रूप से आसमान साफ रहा और हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से 10 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली।

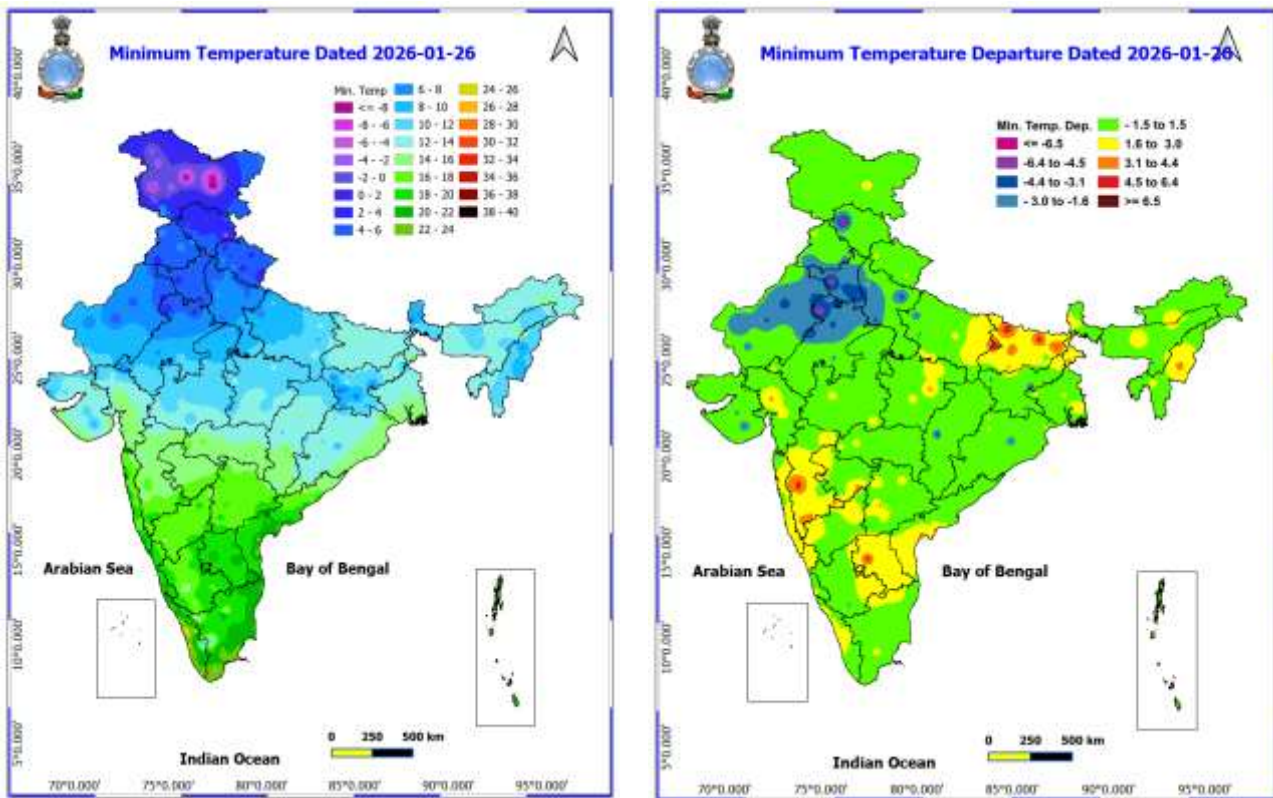
मौसम पूर्वानुमान:

26.01.2026: मुख्य रूप से आसमान साफ रहेगा और रात में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। रात में कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 20°C से 22°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय सतह पर हवा मुख्य रूप से उत्तर दिशा से 10 किमी प्रति घंटे से कम गति से चलने की संभावना है। शाम और रात में हवा की गति कम होकर उत्तर-पूर्व दिशा से 08 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

27.01.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर तक गरज-चमक और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश के एक या दो दौर की संभावना है। साथ ही, दोपहर से रात तक गरज-चमक के साथ हल्की बारिश के एक या दो दौर की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18°C से 20°C और 08°C से 10°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य के आसपास रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 12 किमी प्रति घंटे से कम होगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर पूर्व दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति घटकर पूर्व दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

28.01.2025: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 11°C से 13°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा उत्तर दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 05 किमी प्रति घंटे तक होगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर दिशा से 10 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति घटकर उत्तर दिशा से 06 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

29.01.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय हल्का से मध्यम कोहरा रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17°C से 19°C और 08°C से 10°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान दिल्ली में सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। सुबह के समय सतह पर मुख्य हवा उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति 10 किमी प्रति घंटे तक होगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 12 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के दौरान हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 08 किमी प्रति घंटा हो जाएगी।



अलग-अलग जगहों पर बिजली कड़कने/तेज़ हवाओं और ओलावृष्टि के साथ गरज-चमक वाले तूफान के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए कदम

- ❖ 26 और 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर में, 27 जनवरी को हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में अलग-अलग जगहों पर ओलावृष्टि होने की संभावना है।
- ❖ 26 और 27 जनवरी को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख, हिमाचल प्रदेश में, 27 और 28 जनवरी को उत्तराखंड में, 27 जनवरी को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा) के साथ आंधी आने की संभावना है; 27 जनवरी को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में, 27 और 28 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश में बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी प्रति घंटा) के साथ आंधी आने की संभावना है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की डालियां टूट सकती हैं, बड़े पेड़ जड़ से उखड़ सकते हैं। पेड़ों से बड़ी सूखी डालियां गिर सकती हैं। खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ केले और पपीते के पेड़ों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ डालियां टूटने से बिजली और संचार लाइनों को हल्का से लेकर बड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा/ओले बागवानी, खेती और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- ❖ ओलों से खुले स्थानों पर लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- ❖ तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ कच्चे घरों/दीवारों और झोपड़ियों को हल्का नुकसान हो सकता है।
- ❖ ढीली चीज़ें उड़ सकती हैं।

सुझाए गए कदम:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम पर नज़र रखें और हालात बिगड़ने पर सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ घर के अंदर रहें, खिड़कियां और दरवाज़े बंद रखें और अगर हो सके तो यात्रा करने से बचें।
- ❖ सुरक्षित जगहों पर शरण लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।

- ❖ कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और कंक्रीट की दीवारों से सटकर न खड़े हों।
- ❖ बिजली के उपकरणों को अनप्लग कर दें।
- ❖ तुरंत पानी वाली जगहों से बाहर निकल जाएं।
- ❖ बिजली का संचालन करने वाली सभी चीजों से दूर रहें।

सुबह के समय घने/बहुत घने कोहरे के कारण प्रभाव पड़ने की आशंका है:

- ❖ 27 जनवरी तक उत्तराखंड; हिमाचल प्रदेश में 28-31 जनवरी के दौरान; उत्तर प्रदेश में 27, 29, 30 जनवरी तक; राजस्थान में 28-30 जनवरी के दौरान और बिहार में 29-31 जनवरी के दौरान कुछ इलाकों में सुबह/रात के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है।

परिवहन और विमानन:

- मौसम उप-विभाग के अंतर्गत आने वाले कुछ हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे मार्गों पर इसका प्रभाव पड़ सकता है।
- यातायात कठिन हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- एहतियाती उपाय न अपनाने पर सड़क दुर्घटनाएं हो सकती हैं।

❖ बिजली क्षेत्र:

- बहुत घने कोहरे वाले मार्गों में बिजली लाइनों के ट्रिप होने की संभावना।

❖ मानव स्वास्थ्य:

- फेफड़ों से संबंधित स्वास्थ्य प्रभाव: घने कोहरे में कणिका तत्व और अन्य प्रदूषक होते हैं और इनके संपर्क में आने पर ये फेफड़ों में जमा हो जाते हैं, उन्हें अवरुद्ध कर देते हैं और उनकी कार्यात्मक क्षमता को कम कर देते हैं जिससे घरघराहट, खांसी और सांस लेने में तकलीफ बढ़ जाती है।
- अस्थमा, ब्रोंकाइटिस से पीड़ित लोगों पर प्रभाव: लंबे समय तक घने कोहरे के संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और फेफड़ों से संबंधित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित लोगों को सांस लेने में समस्या हो सकती है।
- आँखों में जलन: घने कोहरे में विभिन्न प्रकार के प्रदूषण होते हैं और हवा में मौजूद ये प्रदूषक आँखों की झिल्लियों में जलन पैदा कर सकते हैं जिससे विभिन्न संक्रमण हो सकते हैं जिससे आँखों में लालिमा या सूजन आ सकती है।

सुझाई गई कार्रवाई:

❖ परिवहन और विमानन:

- वाहन चलाते समय या किसी भी परिवहन से यात्रा करते समय सावधान रहें।
- वाहन चलाते समय फॉग लाइट का प्रयोग करें।
- अपनी यात्रा के कार्यक्रम के लिए एयरलाइन, रेलवे और राज्य परिवहन से संपर्क में रहें।

❖ विद्युत क्षेत्र:

- रखरखाव टीम को तैयार रखना।
- मानव स्वास्थ्य: आपातकालीन स्थिति को छोड़कर बाहर जाने से बचना और चेहरा ढकना चाहिए।

शीत लहर की स्थितियों के कारण प्रभाव की आशंका: 29-31 जनवरी के दौरान हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में और 28-31 जनवरी के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ में शीतलहर चलने की संभावना है।

- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्लू, नाक बहना/बंद होना या नाक से खून आना जैसी कई बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है।
- कंपकंपी को नज़रअंदाज़ न करें। यह पहला संकेत है कि शरीर से गर्मी निकल रही है। घर के अंदर चले जाएं।
- लंबे समय तक ठंड के संपर्क में रहने से फ्रॉस्टबाइट हो सकता है। त्वचा पीली, सख्त और सुन्न हो जाती है और अंततः उंगलियों, पैर की उंगलियों, नाक और कान के निचले हिस्से जैसे खुले शरीर के अंगों पर काले छाले दिखाई देने लगते हैं। गंभीर फ्रॉस्टबाइट के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और उपचार की आवश्यकता होती है।
- कुछ स्थानों पर कृषि, फसल, पशुधन, जल आपूर्ति, परिवहन और बिजली क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं।

सुझावित उपाय:

- ❖ ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ अपने सिर, गर्दन, हाथों और पैरों को अच्छी तरह ढकें, क्योंकि शरीर के अधिकांश अंग इन्हीं से ऊष्मा खोते हैं। एक भारी कपड़े की परत के बजाय ढीले-ढाले, हल्के और गर्म ऊनी कपड़ों की कई परतें पहनें।
- ❖ पर्याप्त रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ, अधिमानतः गर्म तरल पदार्थ पिएं।
- ❖ बाहरी गतिविधियों से बचें या उन्हें सीमित करें।
- ❖ शरीर को सूखा रखें; यदि गीला हो जाए, तो शरीर की ऊष्मा को कम होने से बचाने के लिए तुरंत कपड़े बदल लें। ऊष्मारोधी/जलरोधक जूते पहनें।
- ❖ शरीर के प्रभावित हिस्से को गुनगुने पानी से धीरे-धीरे गर्म करें; त्वचा को ज़ोर से न रगड़ें।
- ❖ यदि प्रभावित त्वचा का रंग काला पड़ जाए, तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श लें।
- ❖ जहरीले धुएं को सांस में लेने से बचने के लिए हीटर का उपयोग करते समय वेंटिलेशन बनाए रखें।
- ❖ बिजली और गैस से चलने वाले हीटिंग उपकरणों का उपयोग करते समय सुरक्षा उपाय करें।
- ❖ संवेदनशील व्यक्तियों के लिए विशेष सावधानी आवश्यक है।
- ❖ ठंड से जमने/शीघ्रता से ग्रस्त व्यक्ति को यथाशीघ्र चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए।
- ❖ पशुधन को ठंड से बचाएं।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू-कश्मीर में, गेहूं, सरसों, चना, मटर और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था बनाएं रखें।
- हिमाचल प्रदेश में, गेहूं, जौ, प्याज, मटर, आलू, लहसुन, पालक, मूली, शलगम, धनिया, पत्ता गोभी, फूल गोभी, ब्रोकली तथा फल बागानों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- उत्तराखंड में, गेहूं, जौ, मसूर, चना, सरसों, राई/रेपसीड, सब्जी एवं बागवानी फसलों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान में फलों के बागानों और सब्जियों के पौधों को ओलावृष्टि से बचाव हेतु हेलनेट का उपयोग करें।

शीत लहर / कम तापमान के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में खड़ी फसलों को कम तापमान या ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी का अनुकूल तापमान बनाए रखने के लिए मल्टिचिंग का प्रयोग करें। सब्जियों की नर्सरी और फलों के नए पौधों को भूसे /पॉलीथीन शीट से ढक दें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / मुर्गीपालन

- भारी बारिश/ ओलावृष्टि के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें। चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- रात के समय पशुओं को शेड के अंदर रखें और ठंड से बचाने के लिए उन्हें सूखा बिछावन उपलब्ध कराएं। पोल्ट्री शेड में कृत्रिम प्रकाश की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर चूजों को आवश्यक ऊष्मा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

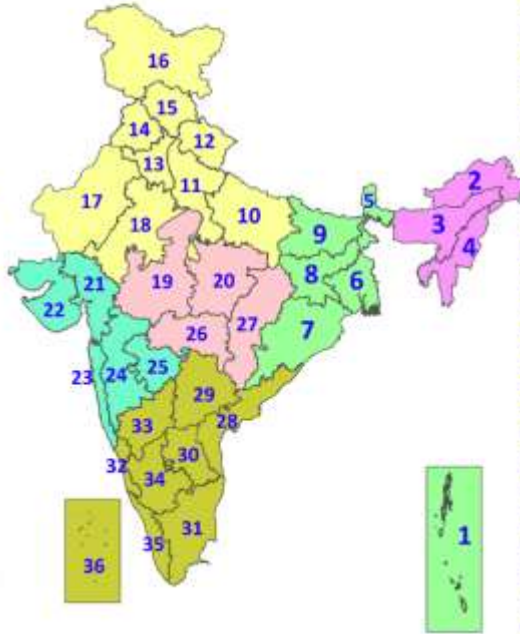
➤ भारी वर्षा: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी वर्षा: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी वर्षा: >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".

Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.

For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599

(Service to the Nation since 1875)